निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या 65 वर्ष 2017-18

यह निरीक्षण प्रतिवेदन अ धशासी अ भयंता संचाई खण्ड रामनगर (नैनीताल) द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर तैयार कया है। कार्यालयाध्यक्ष द्वारा उपलब्ध करायी गयी कसी त्रुटिपूर्ण अथवा अधूरी सूचना के लए कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

अ धशासी अ भयंता संचाई खण्ड रामनगर (नैनीताल) के माह 10/2015 से 11/2017 तक के लेखा अ भलेखों पर निरीक्षण प्रतिवेदन जो श्री पी.के.श्रीवास्तव एंव श्री सुनील कुमार सहायक लेखा परीक्षा अ धकारियों एंव श्री संजीव कुमार लेखापरिक्षक द्वारा दिनांक 21/12/2017 से 02/01/2018 तक श्री सुधीर श्रीवास्तव वरिष्ठ लेखापरीक्षा अ धकारी के पर्यवेक्षण में सम्पादित कया गया।

भाग-I

1. परिचयात्मकः इस इकाई की वगत लेखापरीक्षा श्री पी.के.श्रीवास्तव सहायक लेखापरीक्षा अ धकारी एंव श्री दिनेश कुमार, पर्यवेक्षक द्वारा दिनांक 04/08/2015 से 12/08/2015 तक ..... वरिष्ठ लेखापरीक्षा अ धकारी/लेखापरीक्षा अ धकारी के पर्यवेक्षण में सम्पादित की गयी थी। जिसमें माह 09/2015 से 06/2015 तक के लेखा अ भलेखों की जांच की गयी थी।

   वर्तमान लेखापरीक्षा में माह 08/2012 से 11/2017 तक के लेखा अ भलेखों की जांच की गयी।

   (i) इकाई के क्रयाकलाप एवं भौगो लक अ धकार क्षेत्रः नहरों का निर्माण के रखरखाव, रामनगर ब्लाक।

   (ii) (अ) वगत तीन वर्षों में बजट आबंटन एवं व्यय की स्थिति निम्नवत हैः

वर्ष	प्रारम्भिक अवशेष		मुख्य लेखा शीर्ष	स्थापना		गैर स्थापना		मुख्य लेखा शीर्ष	आ धक्य (+)	बचत (-)
	स्थापना `	गैर स्थापना `		आवंटन `	व्यय `	आवंटन `	व्यय `			
2014-15										
2015-16				संलग्न						
2016-17										
2017-18										

(ब) केन्द्र पुरोनिधानित योजनाओं के अन्तर्गत प्राप्त नि ध एवं व्यय ववरण निम्नवत हैः

वर्ष	योजना का नाम	प्रारम्भिक अवशेष `	प्राप्त `	व्यय `	व्यय अ धक्य (+) `	बचत (-) `
शून्य						

(iii) इकाई को बजट आवंटन उत्तराखण्ड शासन द्वारा कया जाता है। स्थापना व्यय को सम्मि लत न करते हुए इकाई ए श्रेणी की है। वभाग का संगठनात्मक ढांचा निम्नवत हैः

स चव, लोक निर्माण वभाग, उत्तराखण्ड शासन

प्रमुख अ भयन्ता एवं वभागध्यक्ष उत्तराखण्ड, लोक निर्माण वभाग

मुख्य अ भयन्ता, लो.नि. व.

अधीक्षण अ भयन्ता, लो.नि. व.

अ धशासी अ भयन्ता लो.नि. व.

(iv) लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र एवं लेखापरीक्षा व धः लेखापरीक्षा में कार्यालय अ धशासी अ भयंता संचाई खण्ड रामनगर (नैनीताल) को आच्छादित कया गया। समस्त स्वाधीन आहरण एवं वतरण अ धकारियों के निरीक्षण प्रतिवेदन पृथक-पृथक जारी कये जा रहे है। यह निरीक्षण प्रतिवेदन अ धशासी अ भयंता संचाई खण्ड रामनगर (नैनीताल) की लेखापरीक्षा में पाये गये निष्कर्षों पर आधारित है। माह 10/2015 से 03/2016 को वस्तृत जाँच हेतु चयनित कया गया। कोसी फीडर का पुनरोद्धार का सुदृढीकरण का वस्तृत वश्लेषण कया गया। प्रतिचयन अ धक व्यय के आधार पर कया गया।

(v) लेखापरीक्षा भारत के सं वधान के अनुच्छेद 149 के अधीन बनाये गये नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्ते) अ धनियम, 1971 (डी पी सी एक्ट, 1971) की धारा 13 लेखा तथा लेखापरीक्षा वनियम, 2007 तथा लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार सम्पादित की गयी।

2. अधीक्षण अ भयंता द्वारा वगत लेखापरीक्षा से अब तक की अव ध में दिनांक..... से..... का निरीक्षण कया गया।
3. खण्ड के भण्डार लेखों की अर्द्धवा षक लेखाबन्दी तथा यंत्र संयंत्र लेखों की वा षक लेखाबन्दी क्रमशः माह 09/17 तथा 09/17 तक की गई।
4. फार्म 51: माह 11/17 तक कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड देहरादून को प्रे षत कया जा चुका है जिसके भाग प्रथम एवं द् वतीय के अवशेष निम्नवत हैः-

   भाग प्रथम - शुन्य

   भाग द् वतीय - ₹ 113691.00

5. खण्ड के उचन्त लेखों के अवशेष माह 11/2017 के अन्त में

   (क) प्रकीर्ण निर्माण अ ग्रम - ₹ 178058.90

   (ख) सामग्री क्रय शुन्य

   (ग) नगद परिशोधन शुन्य

   (घ) निक्षेप- ₹ 4901058.00

   (ङ) भण्डार- ₹ 320939.00

भाग-2 (ब)

प्रस्तर-1 कार्य निष्पादन मे अनिय मत्ताए 50.55 लाख ।

रामनगर वकास खण्ड के अधीन चुकन एंव मोहान को बाढ सुरक्षा योजना हेतु प्रशासकीय एंव व त्तय स्विकृति 280.00 लाख माह नवम्बर 2016 मे एंव इतनी ही राशी की प्रा व धक स्वीकृति मुख्य अ भयन्ता (स्तर-1) द्वारा माह दिसम्बर 2016 में प्रदान की गयी थी।

संचाई खण्ड रामनगर नैनीताल की लेखापरिक्षा (माह दिसम्बर 2017) में पाया गया क उपरोक्त कार्य हेतु नि वदा प्रा व धक स्वीकृति अर्थात मद दर एंव मात्राओं की स्वीकृति मलने से पूर्व ही जारी कर दी गयी थी साथ ही खण्ड द्वारा उत्तराखण्ड अ धप्राप्ति नियमावली की अनदेखी कर अल्पका लन नि वदा जारी कर दी गयी, खण्ड को कुल 280 लाख की वत्तीय स्वीकृति के आपेक्ष कुल 130.10 लाख बजट आंवटित कया जा चुका था कन्तु मात्र 50.55 लाख हो, लेखापरिक्षा ति थ तक व्यय कए जा सके थे जब क कार्य समाप्ति को ति थ (02/10/2017) बीत चुकी थी, आगे यह भी पाया गया क उपरोक्त कार्य हेतु ठेकेदार को समय वस्तार स्वीकृत नही कया गया था।

लेखापरीक्षा मे पुछे जाने पर खण्डीय आख्या मे बतलाया गया क TS प्राप्त होने की प्रत्याशा मे नि वदा जारी की गयी थी, अल्पका लक नि वदा जारी करने पर बतलाया गया क वधानसभा निर्वाचन एंव वर्षा काल से पूर्व कार्य करने हेतु ऐसा कया गया, कार्य समय पर पूर्ण न होने पर बतलाया गया क वन वभाग द्वारा प्रत्येक अवसर पर JCB हेतु अनुमति लेने के कारण कार्य में देरी हुई, समय वृद् ध प्रकरण पर बतलाया गया क प्रकरण उच्च अ धकारियों को प्रे षत है। खण्ड का उत्तर लेखापरीक्षा को मान्य नही था क्यो क प्रा व धक स्वीकृति मलने से पूर्व अर्थात बिना मद, मात्रा एंव दर स्वीकृति से पूर्व नि वदा जारी करना न केवल अनिय मत था बल्कि अव्यवहारिक भी था। अल्पका लक नि वदा जाँच करने का मकसद कार्य जल्दी पूर्ण करना था कन्तु अनुबं धत कार्य समाप्ति की ति थ बीत जाने के बाद भी कार्य अपूर्ण था। आगे कार्य समय से समाप्त न होने के पीछे वन वभाग द्वारा समय-समय पर अनुमति देने न देने का तर्क भी आधारहीन था क्यो क खण्ड ऐसा कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका जिससे पुष्टि होती हो क वन वभाग द्वारा अड़चने पैदा की गयी थी।

अत: 50.55 लाख के कार्य मे अपनायी गयी अनिय मत्ताओं से सम्बं धत प्रकरण संज्ञान मे लाया जाता हैं।

भाग-III

वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों का ववरण

क्रम सं.	निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	भाग-II 'अ' प्रस्तर संख्या	भाग-II 'ब' प्रस्तर संख्या	स्टैन
1	15/2003-04	-	1,2	
2	46/2004-05	-	1	
3	23/2005-06	1	1,2	
4	45/2010-11	1	-	
5	64/2013-14	-	1	
6	48/2015-16	-	1,2	

वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों की अनुपालन आख्याः

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	प्रस्तरसंख्या लेखापरीक्षा प्रेक्षण	अनुपालन आख्या	लेखापरीक्षा दल की टिप्पणी	अभ्युक्ति
		अनुपालन आख्या निस्तारण हेतु उच्च अ धकारियों के माध्यम से महालेखाकार को प्रे षत की गई है ।		-

भाग-IV

इकाई के सर्वोत्तम कार्य

शून्य

भाग-V

आभार

1. कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून लेखापरीक्षा अव ध में अवस्थापना संबंधी सहयोग सहित मांगे गये अ भलेख एवं सूचनांए उपलब्ध कराने हेतु अ धशासी अ भयंता संचाई खण्ड रामनगर (नैनीताल) तथा उनके अ धकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करता है। तथा प लेखापरीक्षा में निम्न ल खत अ भलेख प्रस्तुत नहीं कये गयेः

(i)

2. सतत् अनिय मतताएः

(i)

3. कार्यालय गठन से निम्न ल खत अ धकारियों द्वारा कार्यालयध्यक्ष का कार्यभार वहन कया गया

क्रम सं0	नाम	पदनाम
(i)	श्री सुधीर कुमार	अ धशासी अ भयंता

(ii) वगत संप्रेक्षा से अब तक निम्न ल खत खण्डीय लेखा धकारी खण्ड से संबंद्ध रहे।

1. श्री लक्ष्मीकांत बाजपेयी	07/2015 तक
2. श्री सुनील कुमार	07/2016 तक
3. श्री वष्णु प्रसाद गुप्ता	10/2016 से वर्तमान तक

लघु एवं प्र क्रयात्मक अनिय मतताएं जिनका समाधान लेखापरीक्षा स्थल पर नहीं हो सका उन्हें नमूना लेखापरीक्षा टिप्पणी में सम्मि लत कर एक प्रति अ धशासी अ भयंता संचाई खण्ड रामनगर (नैनीताल) को इस आशय से प्रे षत कर दी जायेगी क अनुपालन आख्या पत्र प्राप्ति के एक माह के अन्दर सीधे वरिष्ठ उप महालेखाकार, आ र्थक क्षेत्र-2, कार्यालय महालेखाकार(लेखापरीक्षा) उत्तराखंड, महालेखाकार भवन, कौलागड़, देहरादून को प्रे षत कर दी जांय।

लेखापरीक्षा अ धकारी

आ र्थक खण्ड-II